an>

Title: Need to bring in changes in educational system in the country.

श्री महेश गिरी **(पूर्वी दिल्ली) :** उपाध्यक्ष महोदय, मैं शिक्षा प्रणाली में एक बहुत ही जरूरी चीज को जोड़ना चाहता हूं। हमारे बहुत सारे विद्यार्थी जो स्कूलों में सातवीं, आठवीं और नौंवी कक्षा में पढ़ते हैं, वे बड़े होकर डाक्टर, इंजीनियर या पायलट बनना चाहते हैं। उनको पढ़ने से केवल किताबी ज्ञान मिलता है। मैं चाहता हूं कि ऐसे बच्चे जो अपने जीवन में कोई करियर बनाना चाहते हैं, जैसे कोई विद्यार्थी डाक्टर बनना चाहता है, तो वह पूरा एक दिन डाक्टर के साथ बिताये। कोई इंजीनियर बनना चाहता है, तो पूरा एक दिन वह इंजीनियर के साथ बिताये, कोई पायलट के साथ पूरा दिन बिताये। इससे उन्हें अपना करियर चुनने में सुविधा होगी। इससे उनमें निष्ठा का भी जन्म होगा, जो उसके करियर में एक नया आयाम छूने के लिए बहुत अच्छा प्रावधान हो सकता है। इसके साथ-साथ करियर के प्रति उसका जो नजरिया है, वह भी निखर कर सामने आयेगा। करियर च्वाइस और अपनी शिक्षा के प्रति वह बहुत निष्ठावान हो सकता है।

मैं शिक्षा मंत्रालय से इस बात की प्रार्थना करना चाहूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।